

P&G और कैलात्रिया वेबसाइट

अप्रत्याशित होने के अपने फायदे हैं, पर अपने अंध-बिंदु भी — वे क्षण जब आप स्पष्टता के आने का इंतज़ार करते हैं, और जो आता है वह शायद ही मंज़िल को पूरी तरह त्रिकोणित करने के लिए पर्याप्त हो।

जब मैंने परिवार और दोस्तों को बताया कि मैं किताबें बेच नहीं रहा बल्कि मुफ्त बांट रहा हूँ, तो लगभग सबने यही निष्कर्ष निकाला कि मैंने अपना दिमाग खो दिया है — कोई ऐसा जो ईश्वर की किसी भी उचित कृपा से पूरी तरह कटा हुआ है।

मैंने कभी अपना मकसद नहीं समझाया। यह कोई सामान्य मकसद नहीं था। यह उस अस्तित्व की संतान था जिसमें एक उत्पाद जो बिकता नहीं, उसे हमेशा वह अंतिम चीज़ होनी चाहिए जिसे आप मुफ्त में उपलब्ध कराते हैं — हमेशा एक आरक्षण के भीतर रखा हुआ, जैसे किसी को, किसी दोस्त को दिया गया एक उपकार।

Amazon इसे अच्छी तरह समझता था, और मुझ जैसे लोगों से इस भ्रम के साथ लड़ता था कि हमें कोने में छोड़ना हाशिए पर डालना है। यह तो बस उस युद्ध के प्रतीक्षा-कक्ष का प्रतीक था जिसमें कोई विजेता नहीं होता — केवल समाधानकर्ता होते हैं। वे जिन्हें आप कभी नहीं देखते, पर जो सब कुछ बटोर लेते हैं।

उन्होंने मुझसे पूछा मेरे प्लेटफॉर्म की कीमत क्या है। मैं कोई वित्तीय या संपादकीय मूल्य नहीं दे सकता था — केवल एक आर्थिक मूल्य, संभावित उपभोक्ताओं पर आधारित, Amazon को बाज़ार-नेता मानते हुए और उसके अकेले तरह प्रतिशत पाठकों के आधार पर बिक्री का अनुमान लगाते हुए।

अंग्रेज़ी में सौ किताबें। Bing और Google पर Gillette की पहली क्वेरीज़ में दिखती हुई। दो अरब से अधिक वार्षिक दृश्यता का एक दृश्यता-बेसिन। चार अलग-अलग संस्करणों में उपलब्ध। प्रति राष्ट्र सोलह सौ पाठकों के बाज़ार में। दो सौ आठ भाषाओं में उपभोग्य। औसत इकाई मूल्य नौ डॉलर नब्बे पर।

तीन से पांच प्रतिशत के मार्जिन के साथ परिणामी आँकड़े ने वार्षिक व्यापार-अनुमान को लगभग एक सौ पचहत्तर अरब डॉलर पर रखा।

महीने के सत्तर डॉलर पर जीने वाले किसी व्यक्ति के लिए मामूली नहीं — और वह सब मुफ्त बाँटते हुए।

फिर भी फ्रेगा प्रत्येक साक्षात्कार के लिए सिर्फ़ एक डॉलर माँग रहा था। और जब उन्हें पूछा गया कि अधिकारों और स्वामित्व के बदले उन्हें क्या चाहिए, तो जवाब ने सबको चौंका दिया।

वे यह सब केवल अपनी माँ को लौटा देंगे। किसी और के लिए नहीं। यह सम्मान का एक क़र्ज़ था — उस व्यक्ति के प्रति जिसने सब कुछ संभव बनाया — इतना कि लोग रुककर पूछने लगे:

आखिर यह फ्रेगा है कौन?

